# आईटी क्षेत्र के विकास के साथ शिक्षा, कौशल और रोजगार के नए अवसर मिलेंगेः डॉ. यादव

## उज्जैन और इंदौर को मेट्रो पोलिटन सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। आईटी पार्क एवं इंजीनियरिंग कैंपस के माध्यम से युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार, कौशल विकास और नई तकनीकों से जुडने के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि उज्जैन में आईटी क्षेत्र के विस्तार की दिशा में आईटी पार्क एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जो आने वाले समय में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने में सहायक होगी। आईटी पार्क के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर और उज्जैन को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्य किए जा रहे है। इन विकास कार्यों का उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी नवाचार और उद्योगों के विस्तार को गति देना है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक और नवाचार के माध्यम से प्रदेश के प्रदर्शन को और बेहतर बनाया जा सकता है। आईटी क्षेत्र के विस्तार से प्रदेश में नए उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार और कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

*इससे प्रदेश के समग्र विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए निरंतर निगरानी की जा रही है। उज्जैन में आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए आवश्यक विकास कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। शहर के विकास, आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी सुविधाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए राज्य सरकार समन्वित रूप से कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि आईटी पार्क परियोजना का निर्माण दो चरणों में किया जा रहा है। परियोजना के लिए लगभग 2.16 हेक्टेयर भूमि निर्धारित की गई है। इसमें कुल प्रस्तावित 15,480 वर्गमीटर बिल्ट-अप एरिया का निर्माण किया जाना है। इसमें से 11,436 वर्गमीटर क्षेत्र आईटी कंपनियों के लिए आरक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के निर्धारित मापदंडों का पालन*

*सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निरीक्षण के दौरान इंदौर रोड पर उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से निर्माणाधीन पीएम एकता मॉल एवं महाकाल भक्त निवास के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी भी अधिकारियों से ली। उन्होंने दोनों परियोजनाओं के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि इनका लाभ आमजन और उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को मिल सके। इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर रोड स्थित महामृत्युंजय द्वार का भी निरीक्षण किया।*

*मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महामृत्युंजय द्वार निर्माण की विशेषताओं एवं इससे संबंधित जानकारी से अधिकारियों को अवगत कराया।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन में निर्माणाधीन आईटी पार्क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि इसका लाभ विद्यार्थियों और युवाओं को शीघ्र मिल सके। निरीक्षण के दौरान मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के अधिकारी एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आईटी पार्क के निर्माण एवं अब तक की प्रगति की जानकारी दी।*

# हम जो कार्य कर रहे हैं, वह ईश्वर की इच्छा से होता है : मुख्यमंत्री

**भगवान श्री शीतलनाथ स्वामी के दर्शन-पूजन कर नवीन उपाश्रय भवन निर्माण के लिए किया भूमिपूजन**

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे हाथ में न तो जन्म लेना है और न ही शरीर छोडना। जिन्होंने अपने जीवन में त्याग का मार्ग प्रशस्त किया, वे महावीर है। हम जीवन में जो भी कार्य करते है, वह सब ईश्वर की इच्छा से होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में समाज भी आवश्यक है और व्यवस्था भी आवश्यक है। जीवन चक्र में रिश्ते-नातों की भी एक निर्धारित अवधि होती है। हमें जो समय मिला है, उसमें सभी को सत्कर्म करते हुए संसार में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना चाहिए। जो भी अच्छा कार्य करना है, वह इसी जीवन में करना है। सभी जीव एक साथ आनंदपूर्वक रहें और प्रत्येक प्राणी के प्रति दया एवं करुणा का भाव रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को अपने उज्जैन प्रवास के दौरान माधवनगर क्षेत्र में कंट्रोल रूम के सामने स्थित श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तपागच्छ श्री संघ एवं उपाश्रय ट्रस्ट के नवीन उपाश्रय भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान महावीर के विचार मानव जीवन को त्याग, संयम, अहिंसा और करुणा का मार्ग दिखाते है। समाज में परस्पर प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी समाजजनों को देव आश्रय एवं उपाश्रय भवन के निर्माण के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्वेताम्बर जैन समाज के सदस्य उपस्थित रहे। समाजजनों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री संजय नाहर ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत कर उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर में भगवान श्री शीतलनाथ स्वामी के दर्शन एवं विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके पश्चात उन्होंने उपस्थित समाजजनों के साथ नवीन उपाश्रय भवन के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस अवसर पर समाजजनों ने नवीन भवन के निर्माण एवं उससे जुड़ी योजनाओं की जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. यादव को दी। नवीन उपाश्रय भवन में 'तीन धाम, एक मुकाम' की अवधारणा के अंतर्गत मणिभद्र भगवान के मंदिर का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही ई-लायब्रेरी भवन का भी निर्माण प्रस्तावित है। नवीन उपाश्रय भवन के माध्यम से धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए समाजजनों को सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। भूमिपूजन कार्यक्रम मे राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेशनाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन, सिंहस्थ प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल सहित श्वेताम्बर जैन समाज के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

**चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से सहयोग करने वाले नागरिकों का मुख्यमंत्री ने जताया आभार**

# सिंहस्थ की तैयारियों का मुख्यमंत्री ने पैदल चलकर लिया जायजा

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सिंहस्थ महापर्व के लिए उज्जैन शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीलगंगा से केटीएम गैल इंडिया चौराहा तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य तथा शांतिनगर से इंदौर रोड तक किए जा रहे नवीन मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति एवं समय-सीमा की जानकारी प्राप्त की और सिंहस्थ की दृष्टि से महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मार्ग में स्थानीय रहवासियों से संवाद किया। स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और स्थानीय नागरिकों द्वारा शहर के विकास के लिए किए जा रहे सहयोग की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल मंदिर जाने का मुख्य मार्ग सिंधी कॉलोनी चौराहे से नानाखेड़ा बस स्टैंड तक है। नानाखेड़ा बस स्टैंड से आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध रहेगा। यह शहर के मध्य से गुजरने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जो पुराने शहर को नए शहर से एलिवेटेड ब्रिज के माध्यम से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि अत्यंत महत्वपूर्ण इस मार्ग के चौड़ीकरण के लिए उज्जैन के नागरिकों ने स्वेच्छा से अपने मकानों को पीछे कर सहयोग किया है। यह उज्जैन की गौरवशाली विरासत और यहां के नागरिकों की विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देवस्थलों को लेकर भी नागरिकों ने सहजता से अपने मंदिरों को पीछे किया है। स्थानीय रहवासियों ने चौड़ीकरण कार्य के लिए अपने मकान, जमीन और दुकानें उपलब्ध कराकर सरकार के विकास कार्यों में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन स्थानों पर विकास कार्यों के लिए मकान और दुकानें प्रभावित हो रही हैं, वहां भी स्थानीय रहवासी फूलों से स्वागत कर रहे हैं। यह उज्जैन के नागरिकों के बड़े मन और विकास के प्रति उनकी सकारात्मक भावना को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल की नगरी हम सभी की नगरी है। सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। उनकी सुविधाओं और व्यवस्थाओं की चिंता करना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की जिम्मेदारी है। उज्जैन के सभी समाजों के नागरिक शहर के विकास और सिंहस्थ की तैयारियों में सहयोग कर रहे है। उन्होंने कहा कि जिस भाव और समर्पण के साथ नागरिक चौड़ीकरण एवं अन्य विकास कार्यों में सहयोग कर रहे है, उसके सभी नागरिकों को बधाई । सरकार भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ ठोस निर्णय लेते हुए उज्जैन में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य सुनिश्चित करेगी। इन विकास कार्यों के माध्यम से उज्जैन के साथ ही प्रदेश और देश की छवि को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेशनाथ महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, सिंहस्थ प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, संभागायुक्त श्री आशीष सिंह, एडीजी श्री राकेश गुप्ता, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, एसपी श्री प्रदीप शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बढ़ती श्रद्धालु संख्या और सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित कर रही है।

## धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा उज्जैन

*मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन में प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। जहां पहले लगभग 60 से 70 लाख श्रद्धालु उज्जैन आते थे, वहीं पिछले वर्ष लगभग 8 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या 12 करोड़ से अधिक होने की दिशा में बढ़ रही है। अन्य राज्यों से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या है। उन्होंने कहा कि उज्जैन और इंदौर का क्षेत्र तेजी से धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है। धार्मिक पर्यटन के विस्तार से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन हो रहा है। आर्थिक विकास की दृष्टि से भी नए अवसर और संभावनाएं सामने आ रही है।*

# राम का साहस और कृष्ण-सुदामा का प्रेम ही युवा शक्ति की असली ताकतः मुख्यमंत्री

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक गतिविधियों के संगम से शनिवार को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन पूरी तरह सराबोर नजर आई। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक ही दिन में तीन बड़े मंचों से युवा शक्ति, धर्म-संस्कृति और औद्योगिक विकास का नया खाका खींचा। उन्होंने 'युवा धर्म संसद' में युवाओं को भगवान राम के दृढ़ संकल्प और कृष्ण-सुदामा की निष्कपट मित्रता से प्रेरणा लेने की सीख दी। इसके तुरंत बाद वे होटल अंजू श्री में विश्वविख्यात भारत माता मंदिर (हरिद्वार) के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के 94वें प्राकट्य दिवस समारोह में शामिल हुए, जहाँ जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज के पावन सान्निध्य में देश-विदेश से आए संतों का वंदन किया। अंत में, विक्रम उद्योगपुरी (दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा) में जे.के. लाइफकेयर सेंटर्स की 50 करोड़ रुपये की लागत वाली अत्याधुनिक सक्रिय औषधि घटक (एपीआई) निर्माण इकाई का भव्य लोकार्पण करते हुए सीएम ने दावा किया कि यह संयंत्र भारत की दवा आत्मनिर्भरता में नया इतिहास रचेगा। युवा धर्म संसद के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज यदि देश को तरक्की के रास्ते पर आगे ले जाना है तो रामराज्य की अवधारणा को समझना होगा।

# उज्जैन की विरासत और सांस्कृतिक वैभव से रूबरू होंगे युवा इन्फ्लुएंसर

***नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः*** *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को देवास रोड स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस में बिहार से उज्जैन आए 16 सदस्यीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दल से संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा इन्फ्लुएंसरों से उज्जैन की प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विषयों पर संवाद करते हुए उनसे सवाल भी किए तथा विभिन्न महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों और स्थलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्फ्लुएंसर दल को उज्जैन में निर्माणाधीन वीर भारत संग्रहालय, सर्व उद्यान, महाकाल महलोक सहित सिंहस्थ 2028 के लिए चल रहे निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वीर भारत संग्रहालय में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक भारत तक के महान नायकों की गौरवगाथाओं को एक साथ देखने और समझने का अवसर मिलेगा। संग्रहालय में भारत की समृद्ध ऐतिहासिक परंपरा, वैदिक काल, रामायण एवं महाभारत युग, विक्रमादित्य काल से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक की महत्वपूर्ण घटनाओं और राष्ट्रनायकों के योगदान को एक समग्र रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इससे नई पीढ़ी को भारत के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र निर्माण में महान व्यक्तित्वों के योगदान को जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्फ्लुएंसर दल को उज्जैन में निर्माणाधीन सर्प उद्यान (स्नेक पार्क) की जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन को 'सर्प मित्र नगरी के रूप में विकसित करने का दृष्टिकोण रखा गया है।*

# सिंहस्थ 2028 से पहले बदल रही अवंतिका की सूरत

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** आगामी सिंहस्थ महाकुंभ 2028 को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुसार उज्जैन के यातायात को पूरी तरह जाम-मुक्त और सुगम बनाने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट धरातल पर उतर रहा है। सेतु निर्माण निगम के कार्यपालन यंत्री पी. एस. पंत ने बताया कि कुल 477 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से पूरे क्षेत्र में 21 पुलों और रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का विशाल जाल बिछाया जा रहा है।

वर्तमान में 18 प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जबकि तीन नए महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को हाल ही में स्वीकृति मिली है। मानसून खत्म होते ही इन सभी निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व तेजी देखने को मिलेगी।

उज्जैन में सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए लोक निर्माण विभाग का सेतु निर्माण निगम दिन-रात एक किए हुए है। सेतु निगम के कार्यपालन यंत्री पी. एस. पंत ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी निर्माण कार्यों को सिंहस्थ मेला शुरू होने से करीब 4 से 6 महीने पहले ही पूर्ण रूप से पूरा कर लिया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

उन्होंने आगे बताया कि स्वीकृत 21 कार्यों में से 18 प्रोजेक्ट्स पर धरातल पर काम प्रगति पर है। इनमें से कान्ह और क्षिप्रा जैसी नदियों पर बनने वाले 14 प्रमुख पुलों का काम फिलहाल भारी बारिश और जलभराव के कारण

अस्थायी रूप से रोका गया है। जैसे ही वर्षा काल समाप्त होगा और जलस्तर सामान्य होगा, नदी के पुलों का निर्माण पूरी गति से शुरू कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, 4 रेलवे ओवरब्रिज (आर ओ बी) पर छिटपुट और सहायक निर्माण कार्य लगातार जारी हैं।

**तीन नए पुलों की स्वीकृति, टेंडर प्रक्रिया शुरूः** शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों और यातायात के दबाव वाले इलाकों को राहत देने के लिए हाल ही में 3 नए बड़े पुलों को हरी झंडी दी गई है। इनमें से शनि मंदिर से शांतिधाम मार्ग, तपोभूमि से राघव पीपलिया के बीच कान्ह नदी पर बनने वाला पुल तथा शनि मंदिर से मेडिया तक का नया पुल शामिल है। इनमें से कुछ टेंडर प्रक्रिया के अंतिम चरण में हैं, जबकि एक का टेंडर स्वीकृत हो चुका है जिसका कार्य वर्षा काल के तुरंत बाद प्रारंभ कर दिया जाएगा।

**सिंहस्थ महाकुंभ के लिए समय से पहले डेडलाइन तयः** सेतु निर्माण निगम ने सिंहस्थ महाकुंभ के आगाज से कम से कम 4 से 6 महीने पहले ही सभी 21 प्रोजेक्ट्स को पूरा करने का कड़ा लक्ष्य रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य मेले से पहले ही यातायात का ट्रायल लेना और श्रद्धालुओं को बिना किसी रुकावट के सुचारू मार्ग उपलब्ध कराना है।

**477 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक इंफ्रास्ट्रक्चर बजटः** उज्जैन शहर और इसके आसपास के संपूर्ण संपर्क मार्गों के कायाकल्प के लिए कुल 477 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है। यह राशि फ्लाईओवर, नदी पुलों और रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण पर खर्च की जा रही है।

**मानसून ब्रेक के बाद युद्धस्तर पर शुरू होगी कार्य योजनाः** बारिश के कारण नदियों में जलस्तर बढ़ा होने से 14 पुलों का निर्माण कार्य अस्थायी रूप से थमा हुआ है। मानसून का दौर समाप्त होते ही सेतु निगम द्वारा नई मशीनरियों और अतिरिक्त श्रमबल के साथ युद्धस्तर पर फिर से काम शुरू किया जाएगा।